तापमान
अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि
सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 3 जुलाई 2026

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

4 वर्षों से कक्षाओं की कमी से जूझ रहा शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरुपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.c. NURSING
&
M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
Website : ssscn.ac.in

खबर संक्षेप

जनपद पंचायत के सामान्य सभा सामान्य प्रशासन की बैठक आज

अम्बिकापुर। जनपद पंचायत अंबिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि 3 जुलाई को जनपद पंचायत अम्बिकापुर की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 11.30 बजे एवं सामान्य सभा की बैठक दोपहर 1 बजे से कार्यालय जनपद पंचायत अम्बिकापुर के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उन्होंने बैठक में सर्व सम्बन्धितों को निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने कहा है।

शिक्षा विभाग के कार्यों, योजनाओं की समीक्षा बैठक आज

अम्बिकापुर। शिक्षा विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा हेतु जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक 3 जुलाई को अपरान्ह 2 बजे से राजीव गांधी शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर के ऑडिटोरियम में आयोजित है। बैठक में सर्व सम्बन्धितों को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने कहा है।

कृषि पंप कनेक्शन के नाम पर अवैध वसूली, लाइनमैन निलंबित

अम्बिकापुर। कृषि पंप विद्युत कनेक्शन एवं ट्रांसफॉर्मर लगाने के नाम पर अवैध वसूली करने के मामले में कार्रवाई करते हुए बिजली विभाग द्वारा लाइनमैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत महारानीपुर (देऊरपारा) बेलडांड़ के किसानों द्वारा शिकायत की गई थी कि राजापुर वितरण केंद्र में पदस्थ लाइनमैन चन्द्रकुमार सिदार द्वारा सिंचाई के लिए कृषि पंप विद्युत कनेक्शन एवं ट्रांसफॉर्मर लगाने के नाम पर 7 हजार रुपए तथा उससे अधिक की राशि वसूल रहे हैं। शिकायत की जांच में आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि परि. श्रेणी-1 (ला.) चन्द्रकुमार सिदार ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए महारानीपुर के देऊरपारा एवं चिड़ापारा के ग्रामीणों से कृषि पंप कनेक्शन के नाम पर अवैध रूप से राशि की वसूली की है। कार्यपालन यंत्री (सं/सं) संभाग अंबिकापुर ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के उल्लंघन एवं कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरतने पर चन्द्रकुमार सिदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय बलरामपुर वितरण केंद्र निर्धारित किया गया है।

सरभंजा खदान का विरोध, बॉक्साइट खदान से मछली व गेरवाही नदी का उद्गम स्थल भी खतरे में

बरसते पानी में ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन, नहीं हुए जन सुनवाई में शामिल

जन सुनवाई का विरोध करते ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर/मैनपाट

बॉक्साइट खदानों की स्वीकृति को लेकर गुरुवार को ग्राम सरभंजा में अंतिम और चौथी जन सुनवाई आयोजित की गई। जन सुनवाई का ग्रामीणों ने बरसते पानी में भीगकर भारी विरोध किया। ग्रामीण जन सुनवाई के लिए बनाए गए टेंट पंडाल के नीचे नहीं गए और बाहर से ही जमकर नारेबाजी की। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत व कांग्रेस नेताओं ने भी ग्रामीणों के विरोध को अपना समर्थन दिया। इस दौरान लोगों ने सीएमडीसी पर फिर से गलत जानकारी देकर नदियों के उद्गम स्थल, रिजर्व फॉरेस्ट, पर्यटन स्थलों, तिब्बती पुनर्वास कैम्पों की दूरी वास्तविक स्थिति से अधिक बताई गई जिससे इन स्थलों पर संकट मंडराने लगा है। लोगों का कहना है कि वे किसी भी परिस्थिति में क्षेत्र में खदान खुलने नहीं देंगे।

खास बात
- तिब्बती कैम्प से दूरी 5 सौ मीटर

बता दें कि मैनपाट में बॉक्साइट खदानों की स्वीकृति को लेकर जन सुनवाई का सिलसिला चल रहा है। मैनपाट के नर्मदापुर-कुनिया, पथरई-लुरैना, कमलेश्वरपुर-रोपाखार के बाद गुरुवार को सरभंजा में 207.870 हेक्टेयर में बॉक्साइट खदान की स्वीकृति हेतु पर्यावरणीय जन सुनवाई का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर सुनील नायक के साथ ही सीएमडीसी के अधिकारियों की मौजूदगी और भारी पुलिस बल के बीच सरभंजा माध्यमिक शाला में जन सुनवाई लगाई गई थी। इस जन सुनवाई का सुबह से ही ग्रामीणों द्वारा विरोध किया जा रहा था। जन सुनवाई के दौरान स्थानीय ग्रामीण प्रशासन द्वारा लगाए गए टेंट पंडाल में नहीं गए। ग्रामीणों ने ना ही लिखित और ना ही मौखिक आपत्ति दर्ज कराई। ग्रामीणों ने एक तरह से जन सुनवाई का पूर्ण रूप से बहिस्कार किया। जन सुनवाई के दौरान भारी बारिश हो रही थी और ग्रामीण बारिश में भीगकर अपना विरोध जताते रहे। इस दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत साथ ही कांग्रेस ने भी इस विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान सरपंच श्रीमती मिलसो तिर्की ने आरोप लगाया कि उन्होंने ग्राम सभा के प्रस्ताव पर कोई हस्ताक्षर नहीं किया। उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए है।

हमारी सरकार आई तो फिर से रुकवा देंगे खदान : भगत

विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि भाजपा की दोहरी निति को लोग समझ गए है। सीएमडीसी और बीजेपी सरकार दोनों भाई-भाई है, चारा फेंककर लोगों को फंसाते है और फिर खाकर चले जाते है। उन्होंने कहा कि पहले भी रोजगार व विकास की बात कर लोगों को प्रलोभन दिया गया था लेकिन लोगों की स्थिति पहले से भी खराब हो गई, लोग और गरीब हो गए। लोगों ने बहकावे में आकर ट्राला, इंपर खरीदा कि उन्हें रोजगार दिया जाएगा लेकिन सब गाड़ियां बिक गई। उन्होंने कहा कि हमारी कांग्रेस की सरकार में विरोध करने पर खदानों के कार्य को रुकवा दिया था लेकिन भाजपा की सरकार आने पर लगभग 498 एकड़ का पट्टा कैंसिल कर जमीन कंपनी को खदान के लिए दे दी गई। इसलिए लोग समझ चुके है कि उनके साथ दगा हुआ है।

दिया जाए चार गुना मुआवजा

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 में कहा गया है कि जहां भी खुदाई करना है वहां पर आपको भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई कर जमीन का चार गुना मुआवजा देना है। यहां किसी को चार गुना मुआवजा नहीं मिल रहा बल्कि सरकार और अधिकारी फसल मुआवजा ले आए जिसके नाम पर लोगों को ठगने का काम किया जा रहा है।जन सुनवाई में विधायक राम कुमार टोप्पो शामिल होने और उनपर टिप्पणी करने को लेकर पूर्व मंत्री श्री भगत ने कहा कि वे दिखावे के लिए आए थे ताकि शहीदों में गिनती करा सके। जल, जंगल और जमीन को बचाने की लड़ाई हम लड़ रहे है। हमने अपनी सरकार में काम रुकवाया था और चुनौती देते है कि वे अगर मैनपाट के शुभ चिंतक और हितैषी है तो खदान रुकवा दे। सरकार और विधायक ने आते ही माझी मझवार ग्रामीणों का पट्टा कैंसिल करा दिया। फर्जी ग्राम सभा का प्रस्ताव कर सरपंच के फर्जी हस्ताक्षर किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि जो आरोप लगा रहा है फर्जी प्रमाणपत्र धारी है। पूर्व मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आई तो फिर से खदान को रोक देंगे।

तिब्बती शरणार्थियों पर भी खतरा

मैनपाट में बॉक्साइट उत्खनन के लिए सरभंजा में जिस जमीन की स्वीकृति दी गई है उसमें मैनपाट के तिब्बती शरणार्थियों के भी प्रभावित होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि तिब्बतियों को पुनर्वास निति के तहत 1962 में जमीनें दी गई थी वे भी खदान की जद में आ गई है। तिब्बती कैंप नंबर 5 व 6 की दूरी खदान से महज 5 से 6 सौ मीटर रह गई है जिससे खतरा बढ़ गया है जबकि सीएमडीसी द्वारा खदानों की दूरी सर्वे में 10 से 15 किमी बताई गई है। इसके साथ ही मछली और गेरवाही नदी का उद्गम स्थल भी खदान से महज 2 से 3 किमी की दूरी पर है, रिजर्व फॉरेस्ट कवादरहा की दूरी खदान से 300 मीटर है जबकि सीएमडीसी के अधिकारियों द्वारा सर्व में प्रस्तावित खदान की दूरी को वास्तविक से काफी दूर बताया गया है जिससे लोगों में नराजगी है।

गाज से गैरेज में खड़े ट्रक में लगी आग

अम्बिकापुर। शहर के दरिमा चौक स्थित राजधानी बस के गैरेज में उस समय हड़कंप मच गया जब गाज गिरने से मरम्मत कार्य के लिए खड़े ट्रक में आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। आग लगने से ट्रक का केबिन जल गया है जबकि टायर सहित अन्य उपकरण सुरक्षित है। मंगलवार को शाम 4 बजे आसमान पर बादलों का घनत्व बढ़ने के साथ ही तेज गरज-चमक हो रही थी। इस दौरान दरिमा मोड़ स्थित राजधानी बस के गैरेज में तकनीकी मरम्मत के लिए एक ट्रक सहित अन्य वाहन खड़े थे। इस दौरान तेज गरज-चमक होने के साथ ही गाज गिरी तथा गैरेज में खड़ा ट्रक धू-धू कर जलने लगा। अचानक हुई इस अप्रत्याशित घटना से उपस्थित लोगों में हड़कंप मच गया तथा आग की ऊंची उठती लपटों को देख लोगों में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। गैरेज में खड़े ट्रक में अचानक आग लगने की सूचना स्थल पर लोगों की भीड़ भी एकत्र हो गई। गैरेज में उपस्थित कर्मचारियों ने तत्काल फायर बिग्रेड को सूचना दी। फायर बिग्रेड के पहुंचने तक आग की लपटें कुछ धीमी हो गई थी। इस दौरान फायर बिग्रेड की टीम ने पानी का छिड़काव कर 10-15 मिनट में आग पर काबू पाया। इस दौरान थोड़ा सा भी विलम्ब होने पर आग विकराल रूप धारण कर सकती थी। आग से ट्रक का केबिन, सीट सहित अन्य सामग्री पूरी तरह से जल गए हैं जबकि टायर सहित अन्य उपकरण सुरक्षित हैं।

मूसलाधार बारिश ने एनएच 343 के किनारे घरों में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

गुरुवार हुई मूसलाधार बारिश ने नेशनल हाईवे-343 के किनारे बसे कई परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तेज बारिश के कारण हाईवे के आसपास स्थित कई घरों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। घरों में रखा घरेलू सामान पानी में भीग गया और कई परिवारों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। बारिश के बीच लोगों को अपने घरों से पानी निकालने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

प्रभावित ग्रामीणों ने बताया कि घरों में पानी भरने के बाद कोई तत्काल सरकारी सहायता नहीं पहुंची। ऐसे में लोगों ने स्वयं ही बर्तन, बाल्टी और टुल्लू पंप की मदद से पानी बाहर निकालने का प्रयास किया। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी पानी निकालने में जुटे रहे। लगातार हो रही बारिश के कारण लोगों में भय का माहौल बना हुआ है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों का आरोप है कि नेशनल हाईवे 343 के निर्माण के दौरान जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। नालियों और ड्रेनेज सिस्टम की कमी के कारण बारिश का पूरा पानी सीधे रिहायशी इलाकों की ओर आ जाता है, जिससे हर वर्ष बरसात में यही समस्या उत्पन्न होती है। लोगों का कहना है कि अभी तो मानसून की शुरुआत है यदि समय रहते

स्थायी समाधान नहीं किया गया तो पूरे बारिश के मौसम में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे विभाग और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल जल निकासी की समुचित व्यवस्था और नालियों का निर्माण कराया जाए।

कार्रवाई की मांग लेकर कांग्रेस निकालेगी आईजी कार्यालय तक न्याय यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

कला केंद्र मेला आबंटन हेतु कथित लेनदेन के वायरल ऑडियो, सीतापुर विधायक द्वारा की गई नायब तहसीलदार से मारपीट के साथ ही भिट्ठीकला जमीन घोटाले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक ने कहा कि यह आम जनमानस का मुद्दा है कि नगर निगम में किस प्रकार भ्रष्टाचार हो रहा है। यह भी मुद्दा है कि महापौर के आवेदन पर कार्रवाई के बजाय पुलिस कर्तव्य विमुख बनी हुई है। ठीक इसी प्रकार से सीतापुर विधायक और नायब तहसीलदार की मारपीट के मामले और भिट्ठी कला जमीन घोटाले में लीपापोती हो रही है। इन सभी मामलों में या तो सत्ताधारी दल के प्रमुख चेहरे या उनके बड़े समर्थक संलिप्त हैं। ननि नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि टेलीफोन वार्ता के वायरल ऑडियो के मामले में हमने कलेक्टर, आजाक थाना और एस पी का दरवाजा खटखटाया है और एसआईटी की मांग की लेकिन अबतक कुछ नहीं हुआ। यहां तक कि इस मामले में महापौर के आवेदन पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। ठीक ऐसी ही शिथिलता भिट्ठी कला जमीन घपले और सीतापुर विधायक द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के आपसी मारपीट में दिखी थी। इन मामलों पर उचित कार्रवाई की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सोमवार 6 जुलाई को न्याय की मांग को लेकर आईजी कार्यालय तक न्याय यात्रा निकलेगी और इन मामलों में एसआईटी गठन और निराकार की मांग को लेकर आवेदन पत्र देंगे। ननि नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि जब प्रभावशाली लोगों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई नहीं होगी और मात्र अंतिम पंक्ति के व्यक्ति पर कानून का डंडा चलेगा तो कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होगी। इसके लोगों का पुलिस प्रशासन पर भरोसा कम होगा, और कोरिया जिले की नौगाई जैसी नृसंस हत्याकांड होंगे। इस दौरान कांग्रेस ने बताया कि कला केंद्र मैदान के आबंटन हेतु टेलीफोनिक वार्तालाप के वायरल ऑडियो क्लिप के मामले में रिश्वत देने वाले व्यक्ति का नाम अनुराग मिश्रा है। इस मामले में महापौर ने भी अजाक थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। कांग्रेस की ओर से इस मामले में 22 जून को कलेक्टर को ज्ञापन देकर एसआईटी गठन की मांग की गई। 27 जून को ननि नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में अजाक थाना में ज्ञापन देकर महापौर के द्वारा की गई शिकायत की जानकारी ली गई और 28 जून को एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर एसआईटी की मांग की गई। शफी अहमद ने बताया कि इस मामले में कार्रवाई को लेकर पुलिस विभाग में अजीब सी निष्क्रियता व्याप्त है। वहीं विधायक राम कुमार टोप्पो और नायब तहसीलदार तुषार माणिक द्वारा मारपीट के मामले में बीएनएस की गंभीर धाराओं के बाद भी विधायक की गिरफ्तारी नहीं हुई जबकि उनपर घटना का मुख्य आरोप है। उन्होंने बताया कि इस मामले में कांग्रेस ने 3 जून को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर सत्तादल और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति को देखते हुए देखते हुए राष्ट्रपति शासन की मांग की थी। शहर से लगे भिट्ठीकला में एक विधवा महिला की स्वामित्व के 3.14 एकड जमीन में से 24 डिसमिल का सौदा कर कूटरचना के माध्यम से उसकी पूरी 3.14 एकड जमीन को हडप लिया गया। इस मामले में कलेक्टर सरगुजा के द्वारा तहसीलदार को दोषियों जिनमें जमीन की क्रेता पुष्पा अग्रवाल, सागर विश्वकर्मा, डोमन राजवाडे, जीतन विश्वकर्मा, कमर कादरी आदि के विरुद्ध अपराध दर्ज कराने को कहा था। जो आज तक दर्ज नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि इसके क्रेता एक बेहद प्रभावशाली केबिनेट मंत्री के करीबी हैं एवं सत्तादल के समर्थक हैं। इस मामले में एआईसीसी सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने विधवा महिला और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी। इस दौरान हेमंत सिन्हा, अनूप मेहता, सहित अन्य मौजूद थे।

- वायरल ऑडियो जांच हेतु एसआईटी गठन, भिट्ठी कला जमीन घोटाले के मामले में एफाआईआर की मांग
- सीतापुर विधायक के गिरफ्तार की मांग को लेकर देंगे ज्ञापन

पड़ोसी ने गैंती से ग्रामीण पर किया प्राणघात हमला, मौत

अम्बिकापुर। पड़ोसी ने पहले ग्रामीण पर गैंती से जानलेवा हमला किया फिर गांव के लोगों को बताया और कहा अब मै जेल जाऊंगा कह कर सो गया। इधर गैंती के हमला से गंभीर हुए ग्रामीण की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार लुंड्रा थाना अंतर्गत ग्राम बरगीडीह राई खुर्द निवासी जीतू नागेश आ. सोमारू नागेश (45 वर्ष) सुबह लगभग 10 बजे जब परिवार के लोग खेत में काम करने गए थे तभी पड़ोसी बुधराम के घर गया था। जैसे ही बुधराम के घर के सामने पहुंचा तभी बुधराम ने अचानक गैती से उस पर प्राणघात हमला कर दिया जिससे जीतू नागेश मौके पर ही अचेत हो गया। इधर जीतू नागेश के मौके पर बेहोश हो जाने पर बुधराम ने गांव के लोगों से कहा कि मै जीतू नागेश मार दिया हूं और अब जेल जाउंगा कहर अपने घर जाकर सो गया। इधर घटना की जानकारी लगने पर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल हो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आपातकालीन केंद्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत ग्रामीण को मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जगह-जगह गड्ढे, उखड़ने लगी सड़क, लोगों में रोष, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

पहली बारिश भी नहीं झेल पाई करोड़ों की लागत से बनी बाइपास सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर/वाड्रफनगर

करोड़ो रूपए की लागत से बनाई गई अंबिकापुर-बनारस बाईपास सड़क पहली बारिश भी नहीं झेल पाई। बारिश होते ही सड़क जगह जगह से धंसने लगी। इसके साथ ही डामर उखड़ गए। नव निर्मित सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए है। हैरानी की बात तो यह है कि घटिया निर्माण और सड़क की बदतर स्थिति को लेकर विभाग के अधिकारी कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में कलेक्टर ने इस मामले में नाराजगी जाहिर करते हुए जांच के निर्देश दिए है।

बता दें कि वाड्रफनगर में बनारस-अम्बिकपुर मार्ग पर प्रति दिन लोगों का आवागमन होता है। मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भारी वाहनों का आवागमन होता है जिससे नगर में यातायात का दबाव बढ़ गया है। भारी वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती है और नगरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यही वजह है कि बनारस-अंबिकापुर मार्ग के लिए बाईपास सड़क का निर्माण कराया जा रहा है।

लगभग साढ़े पांच किमी लम्बे बाईपास सड़क निर्माण का कार्य वर्ष 2018 में शुरू किया गया था। 8 करोड़ रूपए की लागत से पल-पुलिया समेत बाईपास सड़क का निर्माण कराया गया है लेकिन सड़क निर्माण के दौरान भारी लापरवाही की गई। नागरिकों का आरोप है कि सड़क ⏭शेष पेज 4 पर

आठ सालों में काम नहीं हुआ पूर्ण

सड़क निर्माण को लेकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ठेकेदार ने अब तक काम पूर्ण नहीं किया है इस लिए सड़क हैंडओवर नहीं ली गई है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि 2018 से बन रही साढ़े पांच किमी की सड़क अधिकारी ठेकदार से आठ सालो में नहीं बनवा पाए। अभी भी सड़क पर रिटेनिंग वाल के साथ ही अन्य कार्य शेष है। वहीं लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार ने मिट्टी मुरुम डाला और गिट्टी की पतली परत डालकर डामरीकरण कर दिया। मिटटी मुरुम डालने और जीएसबी कार्य के बाद रोलर नहीं चलाया गया। यही वजह है कि बारिश में सड़क धंसने लगी है। वहीं पुलिया निर्माण के दौरान पानी की तराई सही तरीके से नहीं की गई जिससे रेलिंग व पुलिया में जगह जगह दरारें आने लगी है। बड़ी बात तो यह है कि करोडो के सड़क की स्थित बदतर स्थिति को लेकर लोक निर्माण विभाग के ईई कोई जवाब नहीं दे पा रहे है। वहीं निर्माण की गुणवत्ता की जांच के लिए कलेक्टर ने निर्देश दिया है।

कराई जाएगी जांच

सड़क निर्माण की जांच कराई जाएगी, ईई पीडब्ल्यूडी को बोलकर एक टीम गठित कर जांच कराई जाएगी।
-चंदन संजय त्रिपाठी, कलेक्टर

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
ITI KORBA
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T.
New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
सेकेण्ड फ्लोर, एस.एस. प्लाजा, पावर हाउस रोड, कोरबा (छ.ग.)
89595-93920 • 89595-44444

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को दी गई विदाई

मनेन्द्रगढ़। कृषि विभाग जिला एमसीबी द्वारा उप संचालक कृषि कार्यालय के सभाकक्ष में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सम्मान में गरिमामय विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग परिवार ने उनके दीर्घ, उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाकाल का सम्मान करते हुए भावभीनी विदाई दी। समारोह के मुख्य अतिथि उप संचालक कृषि, जिला एमसीबी इंद्रासन सिंह पैकरा ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल शासकीय सेवा का समापन है, जबकि व्यक्ति के उत्कृष्ट कार्य, ईमानदारी, अनुशासन एवं समर्पण सदैव प्रेरणा के स्त्रोत बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के विकास एवं कृषकों के हित में सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर सहायक संचालक कृषि जयंत पैकरा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार कुर्रे, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी महेश पैकरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मनेन्द्रगढ़ रवि कुमार गुप्ता, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी भरतपुर इन्द्रपाल वास्कले, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी खड़गवां नीरज जायसवाल, कृषि विकास अधिकारी जितेन्द्र झा, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दीपक कुमार साहू, विकास चौरसिया सहित तीनों विकासखंडों के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड भरतपुर गजराज सिंह चौहान एवं कृषि विकास अधिकारी विकासखंड मनेन्द्रगढ़ रामबदन सिंह को शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पमाला से उनका अभिनंदन करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं की।

विकसित भारत की ओर ऐतिहासिक कदम

मनेन्द्रगढ़। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जनपद पंचायत भरतपुर के सभागार में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं छग शासन के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत 2025 के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनभागीदारी और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर व्यापक मंथन हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष मायाप्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय सिंह राठौर, कार्यक्रम अधिकारी रमणीक कुमार गुप्ता, जनपद सदस्य, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं काफी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैकुंठपुर में शाम 5 बजे के बाद तीन दिन से हो रही बारिश

सड़क पर भरा पानी, मछली पकड़ने उछलकूद मचाते रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

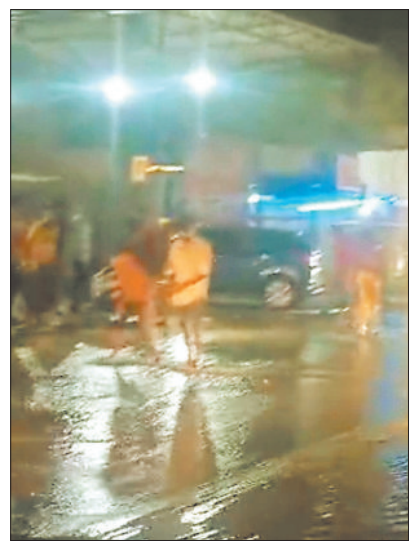

कोरिया जिले में आषाढ़ के पहले व दूसरे दिन शाम के समय से शुरू घंटों की बारिश शहर वासियों के लिए आफत की बारिश साबित हुई। बरसाती पानी के निकासी की व्यवस्था उचित नहीं होने एवं नालियों के जाम होने के कारण लोगों के घरों में पानी प्रवेश करने लगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार से लगातार शाम 5 बजे से हो रही बारिश के कारण सड़कों पर बरसात का पानी जमा हो गया और यही नहीं शहर क्षेत्र के कुछ वार्डों में लोगों के घरों में भी बरसात का पानी प्रवेश करने के कारण लोगों को अपने घर में परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं शहर क्षेत्र के बाहर भी मुख्य मार्ग पर बरसात का पानी भराव के चलते लोगों को परेशानी आवागमन में हुई।

जानकारी के अनुसार बुधवार को हुई घंटो झमाझम बारिश के दौरान ओड़गी नाका के इंडियन पेट्रोल पंप से लेकर आगे मुख्य मार्ग पर बुलेट शो रूम के निकट तक भारी मात्रा में बरसाती पानी भर गया। यहां पानी के साथ बहकर आए मछली को पकड़ने में लोग उछलकूद मचाते दिखे, हालांकि इस क्षेत्र में मुख्य मार्ग किनारे नाली निर्माण कार्य कराया गया है, लेकिन तकनीकी खामी के कारण बरसात का पानी नाली में न जाकर सड़क पर बहता रहता है, लाखों खर्च कर बनाए गए नाली का कोई लाभ नहीं मिल रहा है, जिस तरह से पहले जब नाली नहीं बनी थी तब परेशानी होती थी और नाली बनने के बाद भी परेशानी बरकरार है। ऐसे में आम लोगों को बरसात में इन क्षेत्रों में होने वाली परेशानियों से बचाने के लिए उचित प्रयास जरूरी है अन्यथा पूरे बरसात भर इसी तरह की समस्याओं से लोगो को जुझना पड़ेगा।

लगातार बारिश से खेती किसानी ने पकड़ा जोर

कोरिया जिले में तीन दिन घंटों की झमाझम बारिश के साथ ही जिले के ग्रामीण अंचलों में खेती किसानी का कार्य शुरू हो गया। किसान अपने खेतों की जुताई का कार्य शुरू कर दिए, वहीं कई किसानों के द्वारा खेती किसानी के कार्य के लिए हल बनाने के कार्य में भी जुट गए हैं। जंगलों से विशेष आकार का लकड़ी लाकर किसान खेतों की जुताई के लिए हल बनाने में लगे हैंताकि खेती किसानी का कार्य किया जा सके। बीते दिनों ग्राम चिरमी में एक किसान को हल बनाने के लिए विशेष आकार का लकड़ी हल बनाने के लिए घर ले जा रहा था, ऐसे कई क्षेत्रों में किसानों के द्वारा जंगल से विशेष आकार का लकड़ी लाकर हल तैयार करने में जोर शोर से जुटे हैं ताकि खेतों की जुताई समय पर कर सके।

पहली बारिश में खुली निगम की तैयारी की पोल

कोरिया कालरी। मानसून की पहली ही बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की हकीकत सामने ला दी। शहर के कई इलाकों में नालियां जाम होने के कारण सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई । समय पर समुचित सफाई नहीं होने से पहली ही बारिश में जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईऔर आवागमन बाधित रहा। नगर निगम की निष्क्रियता के बीच क्षेत्र के समाज सेवी रवि कुजूर ने स्वयं पहल करते हुए जाम नालियों की सफाई की। क्षेत्रवासियों ने निगम प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि मानसून से पहले प्रभावी ढंग से नालों की सफाई कराई जाती, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। नागरिकों ने ननि से तत्काल नालियों की सफाई कराने की मांग है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट डे पर प्रतिभा और अनुभव का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की अहम भूमिका को सम्मान देते हुए मारवाड़ी युवा मंच, तेजस्विनी शाखा मनेन्द्रगढ़ द्वारा बुधवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट डे के अवसर पर गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति, एक मंच एक लक्ष्य, सशक्त युवा सशक्त राष्ट्र की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में नई पीढ़ी की उपलब्धियों और अनुभवी सेवा, दोनों को समान सम्मान दिया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण नव-निर्वाचित चार्टर्ड अकाउंटेंट कुमारी पलक अग्रवाल रहीं, जिन्हें कठिन परिश्रम, लगन और उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए अचीवर अवार्ड प्रदान किया गया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि पलक की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है और यह संदेश देती है कि निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। वहीं वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपक अग्रवाल को पेशे में 35 वर्षों की उल्लेखनीय, ईमानदार और समर्पित सेवाओं के लिए लाइफ टाइम अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने लंबे व्यावसायिक जीवन में न केवल व्यापारिक जगत का विश्वास अर्जित किया, बल्कि युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए आदर्श भी स्थापित किया है। शाखा की अध्यक्ष अनीता फरमानिया ने अपने संबोधन में कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की आर्थिक रीढ़ हैं। उद्योग, व्यापार, कर व्यवस्था और वित्तीय अनुशासन को मजबूत बनाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना तेजस्विनी शाखा की प्राथमिकता है, ताकि युवाओं में आगे बढ़ने का उत्साह बना रहे। सचिव तोषी अग्रवाल ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स राष्ट्र की आर्थिक प्रगति के मौन शिल्पकार हैं।

गाज से 5वीं की छात्रा की मौत, पड़ोसी गंभीर

रामचंद्रपुर। ग्राम बोधा में गाज की चपेट में आने से एक छात्रा की मौत हो गई वहीं पड़ोसी गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्राम बोधा निवासी अमौसी खैरवार पिता लालसाय खैरवार (13वर्ष) गांव के प्राथमिक शाला में कक्षा 5वीं में पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार को शाम मौसम खराब होने एवं गरज-चमक के साथ बारिश होने के कारण स्कूल की छुट्टी जल्द हो गई थी। वह शाम 4 बजे घर पहुंची एवं खाना खाने के बाद हाथ धोने के लिए जैसे ही आंगन में पहुंची अचानक गाज गिरी तथा गाज की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

जबकि उसका पड़ोसी फूलसाय गंभीर रूप से घायल हो गया। फूलसाय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार चल रहा है।

ज्यादा कार्य दिवस, अधिक मजदूरी से श्रमिको को दोहरा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशानुसार आज जिले की 100 से अधिक ग्राम पंचायतों में विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण के अंतर्गत रोजगार मूलक कार्य आरंभ हुए।

ग्रामीण पंजीकृत श्रमिको को काम की मांग के अनुसार रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण में कार्य शुरू किए गए। इस अवसर पर सभी कार्यस्थलों पर अधिकारियों द्वारा ग्रामीण जनों को वीबी जी राम जी के प्रमुख प्रावधानों पर जानकारी प्रदान की साथ ही जिले में कई स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर श्रमिको का उत्साह बढ़ाया। विदित हों कि आज केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आंध्रप्रदेश से विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण का औपचारिक शुभारंभ किया गया। वहीं जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह शुभारंभ कार्यक्रम जिला पंचायत कोरिया के मंथन कक्ष में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, उपाध्यक्ष सहित सभी ग्राम पंचायतों के ग्रामीण श्रमिक और महिलाओं ने सहभागिता की।

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशन में अनेक ग्राम पंचायतों में वी बी जी राम जी के कार्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आरंभ किए गए। इसी क्रम में बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत रटगा में बीवी जी राम जी के तहत स्वीकृत कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य ले आऊट देकर कार्य को प्रारंभ किया गया। कार्यस्थल पर हुए इस कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सौभाग्य खुसरो, कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र राजवाड़े, तकनीकी सहायक, कई वार्ड पंच, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं श्रमिक उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाएं

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन एवं अन्य पेयजल योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती यादव ने हर घर जल एवं जल जीवन मिशन केक अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के किसी भी नागरिक को पेयजल संबंधी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी निमार्णाधीन अधोसंरचनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से समूह जल प्रदाय योजना बरदिया को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के ग्रामीणों को शीघ्र सुरक्षित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि जिले की 35 ग्राम पंचायतों में पूर्ण हो चुकी जल प्रदाय योजनाओं का हस्तांतरण अभी तक ग्राम पंचायतों को नहीं किया गया है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी पूर्ण योजनाओं का शीघ्र हैंडओवर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे योजनाओं का संचालन एवं रखरखाव प्रभावी रूप से किया जा सके। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने अथवा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

राहुल गांधी से मिले कोरिया जिलाध्यक्ष प्रदीप

बैकुण्ठपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभनपुर में आयोजित कांग्रेस के 10 दिवसीय संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रदेशभर से आए जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्षों से व्यक्तिगत संवाद किया। इस दौरान उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आम जनता से सतत संपर्क बनाए रखने तथा संविधान और सामाजिक न्याय के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण शिविर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रशिक्षक सचिन राव ने संगठन निर्माण, नेतृत्व विकास, जनसंपर्क, बूथ प्रबंधन और आधुनिक संगठनात्मक कार्यप्रणाली पर प्रशिक्षण दिया। शिविर में केसी वेणुगोपाल, पवन खेड़ा, सचिन पायलट, अलका लांबा, शशिकांत सेंथिल, एस संपत कुमार, जरिता लैतफलांग, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत आदि शामिल रहे।

विधानसभा मानसून सत्र को लेकर कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

बैकुण्ठपुर। आगामी विधानसभा मानसून सत्र 2026 के सुचारू संचालन एवं विधानसभा प्रश्नों के समयबद्ध निराकरण को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जिले के सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अवकाश पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार विधानसभा मानसून सत्र 13 से 17 जुलाई तक संचालित रहेगा। इस अवधि में किसी भी शासकीय अधिकारी अथवा कर्मचारी को नियमित अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। साथ ही मुख्यालय छोड़ने पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। जारी आदेशानुसार अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में ही संबंधित अधिकारी को कलेक्टर की पूर्व अनुमति प्राप्त पश्चात अवकाश प्राप्त कर सकता है, इसके अतिरिक्त सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में तैयार कर प्रेषित करने के लिए अपने-अपने विभाग में नोडल अधिकारी नियुक्त करें तथा फैक्स एवं ई-मेल के माध्यम से प्राप्त होने वाली सूचनाओं का त्वरित संकलन एवं प्रेषण सुनिश्चित करें। साथ ही की गई कार्रवाई की जानकारी कलेक्टर कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार संबंधित विभागों के अधिकारी निर्धारित तिथियों पर कार्यालय कलेक्टर कोरिया के कक्ष क्रमांक 07 (अधीक्षक शाखा) में रहकर विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में प्राप्त करने तथा रायपुर से प्राप्त प्रश्नों के लिए दायित्व सौंपा गया है।

जय सतनाम जन कल्याण परिषद की बैठक 14 को

चरचा कॉलरी। छग जय सतनाम जन कल्याण परिषद प्रधान कार्यालय, सतनाम धाम सुभाष नगर, चरचा द्वारा संचालित स्व सहायता समूह योजना के संबंध में आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण बैठक की तिथि में परिवर्तन किया गया है। पूर्व में यह बैठक 16 जुलाई को प्रस्तावित थी, लेकिन आवश्यक कार्यवश अब इसका आयोजन 14 जुलाई की शाम 6 बजे सतनाम धाम, सुभाष नगर, चरचा में किया जाएगा। परिषद द्वारा जारी बैठक सूचना के अनुसार बैठक में स्व सहायता समूह योजना का विस्तृत लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही सर्वसम्मति से समूह के नए अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष का चयन भी किया जाएगा। परिषद का मानना है कि यह बैठक संगठन की भावी कार्ययोजना और समूह के सुचारू संचालन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिषद ने सभी आजीवन एवं सामान्य सदस्यों से निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने की अपील की है।

18 वीं बटालियन परिसर में रोपे गए एक हजार पौधे

मनेन्द्रगढ़। पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से 18 वीं विशेष भारत रिजर्व वाहिनी, छग सशस्त्र बल मनेन्द्रगढ़ परिसर में बुधवार को व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में जवानों के साथ सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। विश्व पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आयोजित इस अभियान में तेजस्विनी महिला मंच, मारवाड़ी युवा मंच एवं ग्रीन वेली फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से सहभागिता निभाई।

अभियान के दौरान बटालियन परिसर में विभिन्न प्रजातियों के लगभग एक हजार पौधे रोपे गए। साथ ही पहले से लगाए गए पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर हरित वातावरण का निर्माण करना था। उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, जल संरक्षण और बेहतर जीवन का आधार भी हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अभियान में 18 वीं वाहिनी के कमांडेंट संजय शर्मा के नेतृत्व में अधिकारियों और जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहायक सेनानी अभिनाश अग्निहोत्री, कंपनी कमांडर आदित्य कुमार दोहरे तथा कंपनी कमांडर पालेश्वर धृतलहरे ने स्वयं पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सामाजिक संगठनों की ओर से तेजस्विनी महिला मंच की अध्यक्ष अनीता फरमानिया, प्रिया विश्वकर्मा, ग्रीन वेली फाउंडेशन के हरीश गुप्ता, शीतल शर्मा, मोतीलाल यादव सहित काफी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए कहा कि पौधरोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधे बड़े होकर हरियाली का स्वरूप धारण करें। कार्यक्रम के दौरान जवानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर पौधों को पानी दिया तथा उनके संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की।

जनप्रतिनिधियों के साथ श्रमिक और समूह की महिलाएं हुई शामिल

वीबी जीरामजी योजना का औपचारिक शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा गुरूवार को विकसित भारत जीरामजी योजना का औपचारिक शुभारंभ आंध्रप्रदेश से किया गया।

इस दौरान जिला स्तर पर आयोजित जनसम्मेलन सह शुभारंभ कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला पंचायत कोरिया के मंथन सभा कक्ष में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, सभापति श्रीमती गीता राजवाड़े, राजेश साहू, श्रीमती स्नेहलता, श्रीमती शिवकुमारी, श्रीमती सुषमा कोराम, उदय सिंह, उप संचालक आशीष सिंह सहित जनपदों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि और श्रमिकों के साथ स्व सहायता समूहों की महिलाएं भी उपस्थित रहे। जिला पंचायत के मंथन कक्ष में स्वागत उद्बोधन देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी ने वीबी जीरामजी के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कुछ उदाहरण देते हुए कहा कि अब मनरेगा से ज्यादा विकास की संभावनाएं, श्रमिकों के लाभ विकसित भारत जीरामजी योजना में शामिल किए गए हैं।

खड़गवां से वीबी जी राम जी योजना का शुभारंभ

जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम पंचायत खड़गवां स्थित जनपद सभा कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वीबीजी रामजी योजना का शुभारंभ किया गया। योजना का शुभारंभ केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा तिरुपति (आंध्र प्रदेश) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें देश के सभी राज्यों की सहभागिता रही। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां के उपाध्यक्ष वीरेन्द्र करियाम, समस्त जनप्रतिनिधि, जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश बंजारे, कार्यक्रम अधिकारी केपी सिंह, क्षेत्र के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

सरगुजा रामायण शोध पीठ एवं कालीदास शोध संस्थान खोलने की मांग, सीएम को सौंपा ज्ञापन

अम्बिकापुर। सरगुजा जिला पुरातत्व समिति के सदस्य एवं भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने रामगढ़ प्रवार पर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन

सौंप सरगुजा में रामायण शोधपीठ एवं कालीदास शोध संस्थान स्थापित करने की मांग की है। श्री दुबे ने बताया कि सरगुजा भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़ा है साथ ही अनेक पुरातत्व अवशेषों से भगवान श्रीराम के दीर्घ वनवास का साक्षी रहा है। सरगुजा की ऐतिहासिक भूमि विश्व साहित्य में संस्कृत कविकुल गुरू महाकवि कालीदास रचित मेघदूत की प्रेरणा स्थली रही है। सरगुजा की पावनभूमि पर रामायाण शोध पीठ एवं कालीदास शोध संस्थान की स्थापना से हमारी प्राचीन परंपराओं का संरक्षण होगा साथ ही छत्तीसगढ़ को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि सांस्कृति विरासत का संरक्षण सरगुजा रामायण के वनवासी चरित्रों की साक्षात स्मृति है जहां श्रीराम लक्ष्मण एवं माता सीता ने वनवास व्यतीत किया। कालीदास ने यही से प्रेरित होकर मेघदूत की रचना की जो संस्कृत साहित्य का अमर रत्न है। शोध संस्थानों से इन ऐतिहासिक तथ्यों का दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण संभव होगा जो भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगा। रामायण पीठ एवं कालिदास अकादमी सरगुजा को धार्मिक, साहित्यिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनायेंगे। अयोध्या रामेश्वरम आदि के साथ सरगुजा को जोड़कर लाखों श्रद्धालु एवं साहित्य प्रेमी आकर्षित होंगे जिससे रोजगार सृजन एवं राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। ये संस्थान रामायण अध्ययन, संस्कृत साहित्य एवं आदिवासी संस्कृति पर शोध को प्रोत्साहित करेंगे। विश्वविद्यालयों से संबद्ध कोर्स कार्यशालाएं एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ा जा सकेगा जिससे छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक शिक्षा का विशिष्ट केंद्र बनेगा।

गोंडवाना पब्लिक स्कूल केतका में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

मानीचौक। ग्राम पंचायत केतका स्थित गोंडवाना पब्लिक स्कूल में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उनका उत्साहवर्धन करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल रहा और बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय संचालक ने बताया कि गोंडवाना पब्लिक स्कूल क्षेत्र का ऐसा पहला विद्यालय है, जो अत्यंत गरीब एवं पिता-विहीन बच्चों की शिक्षा का संपूर्ण खर्च वहन करता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार जो अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना चाहते हैं, वे इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। विद्यालय के इस सामाजिक सरोकार की स्थानीय लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में प्रधान पाठक चंद्रमणि सिंह, सहायक शिक्षक अनिल देवांगन, टिंवकल मरावी, रामबिहारी सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर हुआ स्वागत

सीतापुर। संकुल केंद्र लीचिरमा के प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय में संयुक्त रूप से शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सभी नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर मुंह मीठा कराने के बाद शाला प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि स्कूल विद्या का मंदिर कहा जाता है। यहां बच्चों को शिक्षक शिक्षित करने के साथ साथ संस्कार एवं मर्यादा का पालन करना सिखाते है।ताकि बच्चे भविष्य में बड़े होकर समाज निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सके। उन्होंने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शाला प्रवेश पर अपनी शुभकामनाएं दी। इस दौरान शासन की योजना अनुरूप सभी स्कूली बच्चों को निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तक कॉपी पेन वितरित किया गया।इस अवसर पर जनपद सदस्य सूर्या पैंकरा, भाजपा नेता अनुज एक्का, आरडी चौहान, सरपंच दलबीर टोप्पो समेत शिक्षक शिक्षिकाएं अभिभावक एवं स्कूली छात्र उपस्थित थे।

पेट दर्द व उल्टी करने से गंभीर युवक की गई जान

अम्बिकापुर। भटगांव थाना अंतर्गत पीपरपारा निवासी लव कुमार आ. राम अवतार (19 वर्ष) 1 जुलाई की शाम परिजन को सोनगरा बाजार घुमने जाने की बात कहकर निकला था। युवक देर रात लगभग 2.30 बजे घर पहुंचा और परिजन को पेट में दर्द होने की शिकायत की साथ ही उल्टी करने लगा। कुछ समय बाद ही युवक की हालत गंभीर हो गई। परिजन युवक को तत्काल निजी साधन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

दो किमी सड़क पर जगह- जगह बन गए गड्ढे

बतौली-बगीचा मार्ग जर्जर, जगह-जगह बने गड्ढों ने बढ़ाई राहगीरों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेदम

गड्ढों में तब्दील बतौली-बगीचा मार्ग।

बतौली- बगीचा सड़क की मरम्मत नहीं होने से सड़क की हालत न सिर्फ दयनीय हो गई है बल्कि मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आलम है कि सड़क पर जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे हो जाने से हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। हैरानी की बात तो यह है कि सड़क मरम्मत की स्वीकृति व राशि उपलब्ध होने के बावजूद कछुआ चाल से हो रहे निर्माण ने क्षेत्र के लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। ऐसे में क्षेत्र के लोग जर्जर सड़क पर आवागमन करने को मजबूर है।

खास बात
- कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

बतौली बगीचा के राजकीय राजमार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए काफी खतरनाक हो गया है। जहां हर रोज जान जोखिम में डाल कर राहगीर आवागमन करने मजबूर है। मार्ग के 2 किलोमीटर सड़क की हालत इस कदर दयनीय हो गई है कि सड़क पर गड्ढों में तब्दील हो चुका है और 10 मिनट का सफर भी राहगीरों के लिए लंबी दूरी नजर आते है। बतौली बगीचा राजकीय राजमार्ग की जर्जर स्थिति को देखते हुए शासन द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग को बतौली से बगीचा जशपुर तक 16 किलोमीटर नई सड़क की स्वीकृति प्रदान की गई है। ठेकेदार द्वारा लगभग 33 करोड़ की स्वीकृति राशि से अप्रैल से कार्य करना शुरू किया गया है जो साइड सोल्डर की सफाई व पुराने सड़क को उखाड़ने तक ही सीमित रहा गया। ऐसे में कछुआ गति से हो रहे निर्माण से लोगों को सफर करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी का बात है कि बतौली राष्ट्रीय राजमार्ग 43 से सटे राजकीय राजमार्ग बतौली-बगीचा सड़क पर बने गड्ढे से स्कूल, कालेज के छात्र छात्राओं सहित लोगों को हर रोज इस एकांगी मार्ग में आवागमन करने को मजबूर है। डबरी के आकार के बड़े गड्ढे, उड़ती धूल से हर रोज जूझना पड़ता है। लोगों का कहना है कि सीएम साय के जब भी जशपुर में कार्यक्रम आयोजित की जाती है तो संबंधित अधिकारियों सहित भाजपा नेता इसी मार्ग से होकर गुजरते है लेकिन सड़क की धीमी निर्माण गति और बतौली से बिलासपुर तक जर्जर सड़क की हालत नजर नहीं आती। इसके बावजूद विभाग के आला अधिकारियों सहित ठेकेदार वैकल्पिक सड़क की कारगर पहल नहीं की जिससे लोग जान जोखिम में डाल आवागमन करने को विवश है।

आए दिन होती है दुर्घटना

बतौली-बगीचा मार्ग के दो किमी सड़क काफी जर्जर हो गई है। बारिश के बाद से सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए है जिससे दो पहिया वाहन चालक को आवागमन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कुछ दिनों पूर्व बतौली बगीचा मार्ग से ट्यूशन के लिए ग्राम बिलासपुर जा रहा छात्र दुर्घटना का शिकार हो गया था जिससे उसकी मौत हो गई। मार्ग के जर्जर होने से हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

अधिकारी व ठेकेदार परेशान

नई सड़क की स्वीकृति मिलने के पूर्व से अब तक सड़क पर बने जगह-जगह बड़े गड्ढे में लगभग 15 हाईवा जेएसबी गिट्टी डाला जा चुका है। इसके बाद भी सड़क में गड्ढे हो जा रहे है जिसे लेकर विभाग अधिकारी व ठेकेदार 1 किलोमीटर के दायरे में गड्ढे को भर भर के परेशान है लेकिन कोई उचित समाधान नहीं मिल रहा है।

लोगों को करना चाहिए सहयोग

विभाग द्वारा जेएसबी गिट्टी डालने के बाद भी सड़क में गड्ढे हो जा रहे है। क्षेत्र के लोग पाइप निकालकर सड़क में पानी डाल उड़ती धूल से राहत पाना चाहते है लेकिन यह पानी विभाग के लिए मुसीबत बन गया है। सड़क के गड्ढों भरने संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया गया है। सड़क निर्माण में क्षेत्र के लोगों सहयोग करना चाहिए।

-प्रकाश सिन्हा, एसडीओ

मनरेगा को कमजोर कर सरकार ग्रामीण भारत की रीढ़ तोड़ने का कर रही काम : परवेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश महासचिव परवेज आलम गांधी ने कहा है कि केंद्र की भाजपा सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को धीरे-धीरे कमजोर कर ग्रामीण भारत के करोड़ों गरीब परिवारों के रोजगार, सम्मान और आजीविका पर सीधा हमला कर रही है। एक तरफ 1 जुलाई से नई योजना वीबी जी राम जी लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कांग्रेस की दूरदर्शी सोच और सामाजिक न्याय की अवधारणा का परिणाम है, जिसने गांवों में रोजगार की गारंटी देकर करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की। आज उसी योजना को बजट में कटौती, भुगतान में देरी और नई प्रशासनिक बाधाओं के माध्यम से कमजोर किया जा रहा है।

परवेज गांधी ने कहा कि मनरेगा ने देश के गांवों में केवल रोजगार ही नहीं दिया, बल्कि जल संरक्षण, तालाब निर्माण, सड़क, सिंचाई, भूमि सुधार और सामुदायिक विकास जैसे हजारों स्थायी कार्यों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। कोरोना महामारी के दौरान जब लाखों मजदूर शहरों से अपने गांव लौटे थे, तब मनरेगा ने ही उन्हें सम्मानजनक रोजगार देकर उनके परिवारों को भूख और आर्थिक संकट से बचाया। यह योजना ग्रामीण भारत की जीवनरेखा बनकर उभरी थी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद केंद्र सरकार का रवैया लगातार मनरेगा विरोधी रहा है। मोदी सरकार ने लोकसभा में जवाब दिया है मार्च 2026 तक विभिन्न 34 राज्यों का 17,144.13 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान लंबित होना इस बात का प्रमाण है कि सरकार गरीब मजदूरों की मेहनत और उनके अधिकारों के प्रति गंभीर नहीं है। परवेज़ गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि मनरेगा को मजबूत किए बिना ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त नहीं बनाया जा सकता। कांग्रेस लंबे समय से मनरेगा मजदूरों के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 400 रूपए रुपये मजदूरी की मांग करती रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी से मांग की कि मनरेगा का समस्त लंबित भुगतान तत्काल जारी किया जाए, मजदूरों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर कम से कम 400 रूपए की जाए, योजना का बजट बढ़ाया जाए, राज्यों पर डाला गया अतिरिक्त वित्तीय बोझ समाप्त किया जाए तथा मनरेगा को कमजोर करने वाले सभी प्रावधान तत्काल वापस लिए जाएं।

कोचिंग फैकल्टी हेतु आमंत्रित प्रस्तावों के प्रारूप में आंशिक संशोधन

अम्बिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल भविष्य योजना अंतर्गत संचालित प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं में अध्यापन सह कोचिंग कार्य हेतु फैकल्टी की व्यवस्था के लिए पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से ऑनलाईन रूचि की अभिव्यक्ति' का प्रस्ताव आमंत्रित किया गया था। जिसमें 'वित्तीय प्रस्ताव-भाग तीन एफबी-1 (तृतीय लिफाफा हेतु)' निर्धारित फॉर्मेट में आंशिक संशोधन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए जिले की वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

माउंट लिट्रा जी में मालवीय मिशन के आदर्श विषय पर संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

माउंट लिट्रा जी स्कूल में गुरुवार को मालवीय मिशन के आदर्श विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मालवीय मिशन के अध्यक्ष ब्रह्मा शंकर सिंह, उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता हरिशंकर त्रिपाठी, उपाध्यक्ष रणविजय तोमर, महासचिव जयप्रकाश चौबे, सचिव सुरेन्द्र गुप्ता तथा संरक्षक माधव शर्मा शामिल हुए।

विद्यालय के निदेशकगण केपी दीक्षित, उत्तम सिंह सिसोदिया, भारत सिंह सिसोदिया, राजीव अग्रवाल, दीपेश गुप्ता, प्रतीक दीक्षित एवं नितेश मेहता के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान मिशन के अध्यक्ष ब्रह्मा शंकर सिंह जी ने कहा कि मालवीय जी का जीवन सत्य, सेवा, शिक्षा और राष्ट्रभक्ति का प्रेरक उदाहरण है। हरिशंकर त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों का विकास भी है। रणविजय तोमर ने विद्यार्थियों से अनुशासन, सेवा-भाव, संस्कार एवं राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने मालवीय मिशन के मूल आदर्शों- चरित्र निर्माण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों का संरक्षण, सामाजिक समरसता, सेवा-भाव तथा नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती वर्षा अग्रवाल ने सभी अतिथियों, निदेशक महोदय एवं निदेशिका महोदया के प्रति आभार व्यक्त किया।

जीवन ज्योति हॉस्पिटल में मनाया गया डॉक्टर्स-डे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

जीवन ज्योति हॉस्पिटल में भी राष्ट्रीय डॉक्टर्स-डे मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नागरिक व लगभग 40 वर्षों से रही मरीज श्रीमती मुखरानी देवी थी। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन डॉ. जेके सिंह,डॉ.एमपी अग्रवाल, डॉ.आकाश सिंह, डॉ. स्नेहा सिंह,डॉ.एमके तिवारी, डॉ. विनय कार्निक, डॉ. धनुष कुमार, डॉ. अनुराग सिंह,डॉ. उत्तम सिंह तथा डायरेक्टर श्रीमती संध्या सिंह द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर चेयरमेन डॉ. जेके सिंह ने सभी डॉक्टर्स को निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर मरीजों की स्वास्थ्य सेवा हेतु एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज अच्छा अस्पताल बनाने के लिए अच्छी मशीनों की भी आवश्यकता है। पेंशनर समाज के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने कहा कि जीवन ज्योति हॉस्पिटल जिले के लिए एक ऐसा नाम है जहां उन्हें विश्वास है कि जीवन की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि डॉ. जेके सिंह एवं एमपी अग्रवाल जिले के लिए एक हस्ताक्षर है। नर्सिंग स्टाफ द्वारा डॉक्टरों के प्रति कार्य की जागरूकता को लेकर एक नृत्य प्रस्तुत किया गया। सभी डॉक्टर्स के लिये एक हाथ से लड्डू बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें डॉ. जेके सिंह एवं डॉ. उत्तम सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बूंदी से लड्डू बनाना सबको जोड़कर रखने का प्रतीकात्मक संदेश था ताकि सभी जब मिलकर ईमानदारी से प्रयास करेंगे तो जीवन ज्योति हॉस्पिटल और भी ऊंचाई प्राप्त करेगा। कार्यक्रम का संचालन सीईओ डॉ. संतोष द्वारा किया गया एवं श्रीमती संध्या सिंह ने किया। सीईओ ने डॉक्टर्स डे मनाने की परंपरा का प्रारंभ कैसे हुआ, इस विषय पर प्रकाश डाला। श्रीमती रोज़ थामस द्वारा डॉक्टर्स के सात महत्वपूर्ण गुणों का विस्तारपूर्वक व्याख्या किया। ओपीडी के स्टाफ द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। श्रीमती मंजूषा शर्मा मैट्रन द्वारा सुमधुर गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती मुखरानी देवी ने डॉ. जेके सिंह की सराहना करते हुए कहा कि जीवन ज्योति हॉस्पिटल आज समाज के लिए एक विश्वसनीय अस्पताल है।

वर्षा ऋतु में बढ़ जाता है पशुओं में संक्रामक रोगों का खतरा, सावधानी : मिश्रा

अंबिकापुर। वर्षा ऋतु में अधिक नमी एवं जलभराव के कारण पशुओं में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में पशु शेड-आवास गीला रहने से वायरस, बैक्टीरिया, मच्छर एवं मक्खियों का प्रकोप बढ़ता है, जिससे पशुधन के स्वास्थ्य एवं उत्पादन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः पशुपालकों को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। पशु पालन विभाग के अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. सीके मिश्रा ने बताया कि पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि पशु शेड के फर्श को हमेशा सूखा रखें तथा पानी का जमाव न होने दें। शेड में पर्याप्त संख्या में खिड़कियां एवं दरवाजे होने चाहिए, ताकि हवा का समुचित आवागमन बना रहे। पशु शेड के आसपास की नालियों को नियमित रूप से साफ रखें, जिससे गंदा पानी, गोबर एवं मूत्र का जमाव न हो। जलभराव एवं गंदगी से वायरस, बैक्टीरिया तथा मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ता है, जिससे पशुओं में रोग फैलने की संभावना अधिक रहती है। पशुओं को हमेशा साफ एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। शेड के पास एक पात्र या टब में स्वच्छ पानी भरकर रखें, ताकि पशु बाहर निकलने पर बरसात के गड्ढों में भरे दूषित पानी को न पिएं। दूषित पानी पशुओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। वर्षा ऋतु में पशुओं को संतुलित आहार देना आवश्यक है। इस मौसम में हरा चारा आसानी से उपलब्ध रहता है, जो पशुओं को आवश्यक मिनरल्स एवं विटामिन प्रदान करता है। साथ ही हरा चारा पाचन क्रिया को भी सुगम बनाता है। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व पशुओं को कृमिनाशक दवा अवश्य दें, ताकि पेट में पल रहे विभिन्न प्रकार के कीड़ों से मुक्ति मिल सके। कृमिनाशन के बाद किया गया टीकाकरण अधिक प्रभावी माना जाता है। वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले पशुओं का अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराना अत्यंत आवश्यक है। इस मौसम में गलघोटू, लंगड़ा बुखार (ब्लैक क्वार्टर), एंटेरोटॉक्सेमिया, पीपीआर, स्वाइन फीवर तथा खुरपका-मुंहपका जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने की संभावना अधिक रहती है। इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम टीकाकरण ही है। उन्होंने बताया कि पशुधन विकास विभाग में इन रोगों के टीके उपलब्ध हैं तथा विभाग द्वारा इन्हें निःशुल्क लगाया जाता है।

बरतें ये विशेष सावधानियां

वर्षा के दौरान पशुओं को खुले में न रखें, बल्कि सुरक्षित शेड में रखें। भारी वर्षा के समय पशुओं से खेत जोतने अथवा अन्य श्रम कार्य न कराएं। मौसम साफ होने पर ही कृषि कार्यों में उनका उपयोग करें। पशु शेड में समय-समय पर रोगाणुनाशक दवाओं का छिड़काव करें। साथ ही शाम के समय गोबर के कंडे एवं नीम की पत्तियों का धुआं करने से मच्छर एवं मक्खियों की संख्या कम की जा सकती है। इन छोटे-छोटे प्रयासों एवं जागरूकता से पशुपालक वर्षा ऋतु में अपने पशुधन को बीमारियों से सुरक्षित रख सकते हैं।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ स्वागत, मेधावियों का सम्मान

रामानुजगंज। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चूनापाथर में बुधवार को संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं पाठ्य पुस्तकें प्रदान कर विद्यालय में स्वागत किया गया। साथ ही पिछले वर्ष बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चूनापाथर की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए 10 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई। यह पहल उपसरपंच मनोज गुप्ता के प्रयास से की गई। वहीं मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह ने विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष की स्वीकृति दिलाने का आश्वासन भी दिया।

विद्यालय के प्राचार्य यमुना प्रसाद यादव ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव का उद्देश्य बच्चों को विद्यालय से जोड़ना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान लालमन यादव,उदय नारायण पंडो, मनोज गुप्ता, उमाशंकर राम, विनोद कुमार, दिनेश सिंह श्याम, अजीत कुजूर, पंकज चौधरी, गौरीशंकर पटेल, अभय गुप्ता, रविंद्र कुमार, रोहित सिंह, सुशील कुमार, राजेश रवि, राजकेश्वर रवि, देवेंद्र गुप्ता, लालमुन्नी, बंधू राम, जगन्नाथ प्रसाद, शिवकुमार सहित अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर से गंभीर ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत

अम्बिकापुर। किराना दुकान से सामान लेकर जा रहे ग्रामीण को विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर हुए ग्रामीण की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।जानकारी के अनुसार रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पस्ता निवासी दखल राजवाड़े आ. स्व. भवन राजवाड़े (48 वर्ष) 28 जून को पत्नी व बेटी के साथ ग्राम डुमरिया गया था। डुमरिया पहुंचने के पश्चात वह किराना दुकान में बिस्कुट लेने के बाद वापस आ रहा था तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे दखल राजवाड़े गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल को सूरजपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां आज सुबह उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

गैस सिलेंडर के पाइप लीक होने से झुलसी महिला, मौत

अम्बिकापुर। गैस सिलेंडर से भोजन बना रही महिला पाइप के लीक होने तथा आग लग जाने से आग की चपेट में आ गई। महिला को गंभीर हालत में शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। विश्रामपुर थाना अंतर्गत ग्राम गोरखनाथपुर निवासी सीताराम पुहूप प्रतापपुर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी के रीडर के पद पर पदस्थ है। 1 जुलाई की शाम ड्यूटी कर किराए के रूम में पहुंचा और कमरे में आराम करने लगा। इसी बीच पत्नी श्यामपति (50 वर्ष) किचन में भोजन बनाने लगी। 15 मिनट बाद गैस सिलेंडर के पाइप लीक होने से आग लग गई जिससे महिला आग की चपेट में आ गई। इधर पत्नी शोर मचाने लगी तो पति किचन में गया तो देखा पत्नी आग की चपेट में आने से जल रही थी। किसी तरह आग बुझाने के पश्चात तत्काल प्रतापपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात रेफर कर दिया। परिजन महिला को गंभीर हालत में शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

आम सूचना

मैं मो.नसिम खान वल्द स्व.मो. सईद खान, आयु 70 वर्ष, निवासी मोहल्ला बरेजपारा, वार्ड क्रमांक 39, थाना कोतवाली, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. का निवासी हूं मेरे दो पुत्र है वसीम रजा खान व रजाउल मुस्तफा है, जिनका विवाह हो चुका है, विवाह के बाद मेरे परिवार से पृथक है उनका व्यवसाय भी मेरे से अलग है इसलिये यदि कोई व्यक्ति इन दोनों पुत्रों से आर्थिक लेन-देन करता है या किसी प्रकार का बकाया है, या कोई विवाद है उसकी समस्त जवाबदारी मेरी नहीं है बल्कि मेरे पुत्र वसीम रजा खान व रजाउल मुस्तफा की होगी।

भवदीय
मो.नसीम खान
निवासी- मोहल्ला बरेजपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जिला जशपुर (छ.ग.)
क्रमांक /3221/वाचक-2/अपर कले.2026 जशपुर दिनांक 22/06/2026

//ईश्तहार//

सर्व साधारण को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री लुकेश कुमार सिंह पिता श्री चंद्रप्रकाश सिंह, उम्र 31 वर्ष, जाति गोंड, ग्राम खोरमा तहसील प्रतापपुर जिला सरगुजा (छ.ग.) एवं आवेदिका कु. असरीता तिर्की पिता श्री विनोद तिर्की उम्र 33 वर्ष, जाति उरांव, ग्राम छेराघोघर तहसील कांसाबेल, जिला जशपुर (छ.ग.) द्वितीय पक्ष ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आशयित विवाह की सूचना दी गई है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22.07.2026 को दोपहर 03.00 बजे मेरे न्यायालय में होगी।

उभयपक्ष में विवाह के संबंध में जिस किसी को आपत्ति करना हो तो निर्धारित तिथि एवं समय के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक 22.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी
जिला जशपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

अभा यादव महासभा की बैठक, हीरालाल मनोनीत हुए प्रदेश महासचिव

राजपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की बैठक चिरंजीलाल अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष देवधारी राम यादव रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, राजेश कुमार यादव, संभागीय अध्यक्ष परमानंद यादव तथा कोरिया जिलाध्यक्ष सुशील यादव शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बलरामपुर जिला अध्यक्ष व्यास मुनि यादव ने की। बैठक में बालिका शिक्षा, दहेज प्रथा उन्मूलन, नशा मुक्ति, सामाजिक सद्भाव, एकता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही समाज में शिक्षा, संगठन और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से शंकरगढ़ विकासखंड निवासी हीरालाल यादव को प्रदेश महासचिव, ध्रुव कुमार यादव को बलरामपुर जिला उपाध्यक्ष तथा जयलाल यादव को रामचंद्रपुर युवा ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर समाज के संरक्षक राम बिहारी यादव, कार्यकारी जिलाध्यक्ष रामधार यादव, संभागीय महामंत्री रामकृपाल यादव, शंकरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष घुरवा राम यादव, बलरामपुर अध्यक्ष सुनेश्वर यादव, रामबलारी यादव, कामेश्वर यादव, रामलाल यादव, बसंत यादव, वेदव्यास यादव, युवा प्रकोष्ठ बलरामपुर के उपाध्यक्ष शुभम यादव, रितेश यादव, अर्जुन यादव, भोला यादव, जानकी यादव, घूरन यादव, भगवान यादव, बद्री यादव, विनोद यादव, चंद्रप्रकाश यादव, रामपुकार यादव, सुशील यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने बताया कि बलरामपुर जिले के सभी विकासखंडों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्रावीण्य सूची में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का समाज द्वारा सम्मान किया जाएगा।

रामगढ़ महोत्सव में कवि-सम्मेलन

अम्बिकापुर। जिला प्रशासन द्वारा रामगढ़ महोत्सव में कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की शुरूआत गीतकार रंजीत सारथी के श्री राम वंदना से हुई। राजेश पाण्डेय ने जगत के पालक उनका नाम, डॉ.पूनम दुबे वीणा ने मेरे अंतसमन में बसते हैं प्रभु राम, एसपी जायसवाल ने राम नांव कर महिमा में पखना हर उपलाय गइस, प्रकाश कश्यप ने जब तक मन में राम नहीं, जीवन में विश्राम नहीं, मुकुंदलाल साहू ने राम नाम जपते रहो, करते करते काम, अंजू पाण्डेय ने रामराज का सपना है तो कार्य राम सा करना होगा, मंशा शुक्ला ने भाव रामत्व का मन में बस लीजिए, देवेन्द्रनाथ दुबे ने पुण्य भूमि है देश हमारा, आशा पाण्डेय ने जिसने शबरी के राम समर्पण का अभिनंदन स्वीकार किया, डॉ.माधुरी जायसवाल ने ऋषि मुनियों की यह धारा कितनी पावन सुंदर है, डॉ.अंचल सिन्हा ने विदा प्राणनाथ ईश्वर करें, किसी युग में रचना सुनाई। कवि सम्मेलन में डॉ.सपन सिन्हा ने इन पहाड़ों का कितना नाम हैं, अनीत मंदिलवार ने हे मेघ तुम नभ में चलो, रामगढ़ का संदेश सुनाना, संतोष दास सरल ने चलो न संगी रामगढ़ देखे- बुले जाबो, डॉ.अजयपाल सिंह ने कोई तुझको कहता जमीं है और किसी की वतन है हू, विनोद हर्ष ने सतपुड़ा सी वादियां छोटे-मोटे अबूझमाड़ रहने दो रचना प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन डॉ.उमेश पाण्डेय ने किया।

पेज 1 के शेष...

पहली बारिश भी नहीं झेल पाई...

निर्माण के दौरान नियमों को ताक पर रखकर अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से घटिया निर्माण किया गया। आलम यह है कि गुणवत्ताहीन निर्माण के कारण सड़क पहली बारिश भी नहीं झेल पाई। बारिश होते ही सड़क भारी वाहनों के दबाव से जगह जगह से दब गई। इसके साथ ही वाहनों के चलने से डामर उखड़ने लगा है और जगह जगह गड्ढे होने लगे है। यही स्थिति रही तो आने वाले दिनों में करोड़ो रूपए की लागत से बनाई गई सड़क कुछ महीनें भी नहीं टिक पाएगी।

पांच हजार से अधिक नियमित विद्यार्थी कर रहे पढ़ाई

वर्षों से कक्षाओं की कमी से जूझ रहा शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा एवं पुराना कॉलेज राजीव गांधी स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय लम्बे समय से कक्षाओं की कमी से जूझ रहा है। दशकों पूर्व निर्मित भवन अब जर्जर हो गया है तथा लगभग आधा दर्जन कक्षाओं में बरसात का पानी टपकने के कारण अनुपयोगी हो गए हैं। कुछ दूसरे जर्जर भवनों को भी लोनिवि ने खतरनाक घोषित कर दिया है लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण इन भवनों का भी उपयोग किया जा रहा है।

खास बात
- 22 कमरों में चल रही कक्षाएं

शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में हर साल दो हजार से अधिक छात्र-छात्राएं प्रवेश लेते हैं तथा पांच हजार से अधिक नियमित विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर संकायों की पर्याप्त कक्षाएं नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार सभी संकायों की नियमित कक्षाओं के लिए 40 से अधिक कमरों की आवश्यकता है लेकिन 22 कमरों से काम चलाया जा रहा है। कक्षाओं की कमी दूर करने के लिए दो पाली में कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। कॉलेज का विधि, कम्प्यूटर एवं अर्थशास्त्र विभाग की कक्षाएं वर्षों से सुबह की पाली में जबकि अन्य विभागों की कक्षाएं दूसरी पाली में संचालित हो रही हैं। दशकों पूर्व बने भवन की लगभग आधा दर्जन कक्षाएं जर्जर हो गई है तथा बरसात के मौसम में छत का पानी टपकने के कारण उपयोग योग्य नहीं बचा है लेकिन कक्षाओं की कमी होने के कारण इस कमरों का भी उपयोग किया जा रहा है। बारिश होने पर कक्षाओं में छत का पानी भरने के बाद इन कमरों का उपयोग बंद किया जाता है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री उच्चत्तर शिक्षा अभियान के तहत पीजी कॉलेज सहित सरगुजा के दो अन्य महाविद्यालयों को कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन वर्ष पूर्व 10 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई थी। शासन द्वारा इसके लिए प्रारंभिक राशि भी जारी की गई थी लेकिन निर्माण शुरू होने के पूर्व ही शासन ने राशि वापस ले ली। राशि के अभाव में भवन का निर्माण अटक गया है।

पीजी कॉलेज में निर्माणाधीन पीएम उषा भवन।

एनईपी के तहत चाहिए सुविधाएं

नई शिक्षा नीति के तहत प्रायोगिक कार्य को आवश्यक किया गया है। इसके तहत हर कक्षा के लिए कम्प्यूटर, प्रयोगशाला सहित अन्य संसाधन आवश्यक हैं। कक्षाओं की कमी एंव नए पाठ्यक्रमों की जरूरतों को देखते हुए कॉलेज प्रबंधन ने गत वर्ष 18 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा था लेकिन अब तक प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं मिल सकी है। कक्षाओं की कमी से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होने का हवाला देकर कॉलेज प्रबंधन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से लगातार गुहार लगा रहा है लेकिन अभी तक इस समस्या का निराकरण नहीं हो सका है।

जर्जर कक्षाओं के ऊपर बनेगा शेड

पुराने भवन की जर्जर कक्षओं की मरम्मत के लिए शासन द्वारा रूसा मद से 1.02 करोड की स्वीकृति प्रदान की गई है। कॉलेज प्रबंधन ने इस राशि से जर्जर कक्षाओं की छत पर शेड निर्माण कराने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का कहना है कि शेड बनने से छत का टपकना बंद हो जाएगासाथ ही शेड का भी उपयोग कक्षा के लिए किया जा सकेगा। लोनिवि द्वारा शेड निर्माण के लिए एजेंसी का निर्धारण कर दिया गया है।

जर्जर भवन में विधि संकाय

कॉलेज परिसर स्थित विद्यावृत भवन में प्रारंभ से ही विधि संकाय का संचालन हो रहा है। विद्यावृत का भवन अत्यंत जर्जर होने के कारण पिछले साल लोनिवि के अधिकारियों ने भवन को अनुपयोगी एवं खतरनाक बता ढहाने की अनुशंसा की थी। विधि संकाय की कक्षाओं के लिए कमरे उपलब्ध नहीं होने के कारण अभी भी कक्षाएं इसी भवन में संचालित की जा रही है। स्थिति को देखते हुए कॉलेज प्रबंधन दुर्घटना को लेकर भयभीत भी है लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण इसी जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

अटका पीएम उषा भवन का निर्माण

उच्च शिक्षा में लैंगिक असमानता को दूर करने एवं कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीजी कॉलेज में बहुउद्देशीय कन्या प्रशिक्षण केन्द्र भवन निर्माणकी स्वीकृति प्रदान की गई है। लोनिवि द्वारा ठेकेदार के माध्यम से निर्णय प्रारंभ भी करा दिया गया है। पीएम उषा मद की स्वीकृत राशि वापस लेने एवं दोबारा राशि नहीं उपलब्ध कराने के कारण प्रशिक्षण केन्द्र भवन का निर्माण अटक गया है तथा ठेकेदार लंबित भुगतान के लिए लोनिवि एवं कॉलेज का चक्कर लगा रहा है।

विभाग को कराए हैं अवगत

कक्षाओं की स्थिति से विभाग को अवगत कराया गया है साथ ही आवश्यकताओं को देखते हुए प्रस्ताव भी भेजा गया है। कन्या प्रशिक्षण केन्द्र की राशि के लिए विभाग से पत्राचार किया जा रहा है।

-डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
प्राचार्य, पीजी कॉलेज

संयुक्त ट्रेड यूनियनों का कोल इंडिया लिमिटेड के विरुद्ध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के लाखों गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के 12 वें वेतन समझौते को लेकर अब आंदोलन तेज होता नजर आ रहा है। 11वें वेतन समझौते की अवधि समाप्त होने के बाद भी नई वेतन वार्ता समिति का गठन नहीं होने से श्रमिकों में बढ़ते असंतोष के बीच बुधवार को एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में संयुक्त ट्रेड यूनियनों ने मांग दिवस मनाते हुए प्रदर्शन करते हुए क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के माध्यम से कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपकर शीघ्र वेतन समझौता लागू करने की मांग की। गौरतलब है कि संयुक्त ट्रेड यूनियनों एटक, एचएमएस, इंटक और सीटू के संयुक्त आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रमिकों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान श्रमिक नेताओं ने वेतन समझौता 12 के गठन में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से कोयला उत्पादन में अहम भूमिका निभाने वाले कर्मचारियों के हितों की लगातार अनदेखी हो रही है।

- 12 वें वेतन समझौते की मांग को लेकर एरिया जीएम के माध्यम से सीआईएल अध्यक्ष के नाम सौंपा गया ज्ञापन

सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त कोयला मजदूर संघ के केंद्रीय महासचिव अजय विश्वकर्मा ने कहा कि 11 वें वेतनमान की अवधि 30 जून को समाप्त हो चुकी है, लेकिन अब तक 12 वें वेतन समझौते के लिए जेबीसीसीआई का गठन तक नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे देशभर के कोयला श्रमिकों में भारी असंतोष व्याप्त है और प्रबंधन को तत्काल वार्ता प्रारंभ कर नए वेतन समझौते की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एटक के वीसी जैन, एचएमएस के अरविंद सिंह तथा सीटू के सुरेश पटेल ने संयुक्त रूप से कहा कि देश की ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में कोयला श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में उनके वेतन, भत्तों और अन्य सुविधाओं से जुड़े मुद्दों का समय पर समाधान होना चाहिए। उन्होंने मांग किया कि 12 वें वेतन समझौते की वार्ता समिति का तत्काल गठन कर समयबद्ध तरीके से समझौता लागू किया जाए। श्रमिक नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रबंधन ने जल्द सकारात्मक पहल नहीं की तो संयुक्त ट्रेड यूनियनें चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगी। कार्यक्रम का संचालन एटक के क्षेत्रीय सचिव पंकज गर्ग ने किया। प्रदर्शन के बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर प्रबंधन की ओर से स्टाफ ऑफिसर एचआर एसकेपी शिंदे, वरिष्ठ प्रबंधक एचआर राजेंद्र गुप्ता तथा क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभारी रात्रे ने यूनियनों का ज्ञापन प्राप्त किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि ज्ञापन को शीघ्र ही कोल इंडिया के उच्च प्रबंधन तक भेजकर आवश्यक कार्रवाई के लिए अग्रेषित किया जाएगा।

खाद-बीज, बिजली बिल में बढ़ोतरी समेत विभिन्न मांगों को लेकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

किसानों को मिलने वाली खाद, बीज के अलावा बिजली बिल में बेतहाशा वृद्धि समेत नौ सूत्रीय मांगों को लेकर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में उक्त समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए तत्काल निराकरण की मांग की गई है ताकि क्षेत्र के किसान मजदूर एवं आम जनता को राहत मिल सके।

विदित हो कि क्षेत्र के किसानों को मिलने वाला सरकारी खाद,बीज समेत डीजल की किल्लत क्षेत्र में विगत लंबे समय से बनी हुई है।जिसकी वजह से किसानों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में किसानो को महंगे दामों पर खुले बाजार से खाद, बीज लेना पड़ रहा है जो क्षेत्र के गरीब किसानों के जेब पर भारी पड़ रहा है। इसके अलावा बिजली बिल में बेतहाशा वृद्धि से सभी वर्ग की जनता काफी परेशान है। जिसे देखते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पूर्व मंत्री निवास से सैकड़ो की संख्या में कांग्रेसी पैदल मार्च करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे। जहाँ पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस संबंध में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पूरे प्रदेश में सुशासन का राग अलाप रही है।लोगों के बीच जाकर झूठे दावे कर रही है और अपने हाथों से अपनी पीठ थपथपा रही है।जबकि धरातल पर हकीकत कुछ और है आज आम जनता और किसान सबसे ज्यादा परेशान है। किसान को समय पर न खाद मिल पा रहा है न बीज मिल रहा है वो खाद बीज के लिए दर दर की ठोकरें खा रहा है।डीजल का अभाव एवं बिजली बिल में हो रही बेतहाशा वृद्धि से सभी वर्ग के लोग काफी परेशान है।जबकि सरकार को चाहिए था कि पूर्व की सरकार की तरह हाफ बिजली बिल योजना को लागू कर दे ताकि लोगो को राहत मिल सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि क्षेत्र में रेत की तस्करी काफी बढ़ गई है जिस पर शासन प्रशासन को रोक लगानी चाहिए।पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रदेश में शराब दुकान के विस्तार पर रोक लगाकर नशामुक्ति अभियान चलाना चाहिए। इसके साथ युक्तियुक्तकरण नीति की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालय को यथावत रखा जाए एवं रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया अपनाते हुए युवाओं को रोजगार दिया जाए। उन्होंने कहा कि कुपोषण एवं एनीमिया उन्मूलन हेतु अभियान चलाना चाहिए।अवैध रेत खनन की वजह से नदी नालों में हुए गड्ढों को चिन्हित कर सुरक्षा एवं पुनर्भरण की व्यवस्था की जाए, साथ मे राज्य के बढ़ते कर्ज पर स्वेतपत्र जारी कर जनता को सही स्थिति से अवगत कराया जाये।

ज्ञापन में पूर्व मंत्री समेत कांग्रेसियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से नौ सूत्रीय मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए समय सीमा में इसके निराकरण की मांग की है ताकि क्षेत्र के किसान एवं आम जनता को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तिलक बेहरा, नपं अध्यक्ष प्रेमदान कुजूर, गणेश सोनी, अशोक अग्रवाल, डॉ. लालचंद सोनी, संदीप गुप्ता, बदरुद्दीन इराकी, सुरेंद्र चौधरी, मंटू गुप्ता, चिंटू गुप्ता, सुरेश प्रधान,नागेश्वर राम, सुखदेव भगत, राजेश गुप्ता, विजय गुप्ता, शिव गुप्ता, अर्णव गुप्ता, धनेश्वर यादव, मनसुख राम समेत काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

डिजिटल रूप से दक्ष कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : राजेश

अम्बिकापुर। भाजपा महामाया एवं समलाया मंडल द्वारा राजमोहिनी भवन में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म में डिजिटल प्रशिक्षक मयंक जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में तकनीकी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बन चुकी है। डिजिटल रूप से दक्ष कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं प्रत्येक कार्यकर्ता डिजिटल रूप से दक्ष होगा तो संगठन की योजनाओं, विचारों और जनकल्याणकारी कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक एवं जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का आह्वान किया।

अम्बिकेश केशरी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचारों को डिजिटल माध्यमों के जरिए अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि भाजपा सदैव समय के अनुरूप स्वयं को विकसित करने वाला संगठन है। डिजिटल प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी। जिला महामंत्री अरूणा सिंह ने कहा कि डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रत्येक कार्यकर्ता को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने का अभियान है। कार्यक्रम को जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी एवं मनोज कंसारी ने भी संबोधित करते हुए डिजिटल प्रशिक्षण को संगठन की भावी कार्यशैली के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस दौरान संजीव वर्मा, अभिषेक सिंहदेव जिपं अध्यक्ष निरूपा सिंह, मधु चौदाहा, आलोक दुबे, संतोष दास, अभिषेक शर्मा, रूपेश दुबे अजय सोनी, राजेन्द्र जायसवाल, रविकांत उरांव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

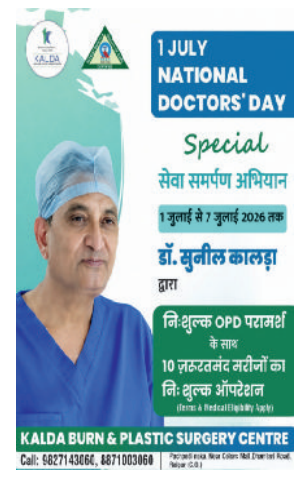

उद्यानिकी कालेज निर्माण के लिए भूमि का सीमांकन

बिश्रामपुर। सूरजपुर जिले अंतर्गत भटगांव विधानसभा के ग्राम सिलफिली में प्रस्तावित उद्यानिकी महाविद्यालय निर्माण हेतु भूमि सीमांकन का कार्य गुरुवार को पुलिस बल की उपस्थिति में कराया गया,बताया गया कि उद्यानिकी महाविद्यालय के लिए 100 एकड़ भूमि रकबे की आवश्यकता विभागीय तौर पर जताई गई है, इस हेतु मदनपुर में 37 एकड़ और ग्राम करवां में 45 एकड़ शासकीय भूमि का चिन्हांकन कर शासन द्वारा पिछले दिनो उद्यानिकी महाविद्यालय को आबंटित कर दिया गया है,मदनपुर स्थित 37 एकड़ शासकीय भूमि पर एक दर्जन से अधिक लोग लंबे समय से घर बना कर उसमें निवास कर रहे हैं,इसके अतिरिक्त इस भूमि पर कई लोगों द्वारा खेती की जा रही है,जब से उक्त महाविद्यालय को आबंटित की गई है तब से कब्जेदार भूमि आबंटन का विरोध कर रहे हैं।

प्राप्त जानकारी अनुसार महाविद्यालय को भूमि आबंटन के बाद संबंधित कब्जेदारों को प्रशासन ने जनवरी 2025 में ही कब्जा हटाने के लिए बेदखली नोटिस जारी किया था,ग्रामीणों के विरोध के कारण पिछले डेढ़ वर्षों से भूमि का सीमांकन नहीं हो पा रहा था,इसी बीच जिला प्रशासन ने गुरुवार को बड़ी संख्या में पुलिस बल को मौके पर तैनात कर सीमांकन का कार्य आरंभ कराया,सीमांकन कार्य कराए जाने की सूचना पर भटगांव के पूर्व विधायक संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव, कांग्रेस कमेटी की पूर्व जिला अध्यक्ष भगवती राजवाड़े मौके पर पहुंच बारिश में सीमांकन का कार्य नहीं कराए जाने की मांग करने लगे, उक्त मामले में प्रशासन की तरफ से एसडीएम सूरजपुर शिवानी जायसवाल ने अवगत कराया कि केवल भूमि का सीमांकन कार्य आज कराया जाना है, बेदखली की कार्यवाही बारिश के मौसम के बाद प्रारम्भ होगी, जिसके बाद जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों की उपस्थिति में पूरे दिन भूमि सीमांकन पोल खंभा लगाने का कार्य बिना किसी विवाद और अवरोध के चलता रहा, इस पर लटोरी तहसीलदार सुरेन्द्र पैकरा ने बताया कि मदनपुर ग्राम में दो पैच में 37 एकड़ भूमि महाविद्यालय को आबंटित की गई है,वहीं करवां में 45 एकड़ भूमि महाविद्यालय को आबंटित किया गया है, दोनों जगहों की भूमि को मिला अब तक 82 एकड़ भूमि महाविद्यालय को आबंटित की जा चुकी है,शेष 18 एकड़ भूमि महाविद्यालय को आबंटन के लिए भूमि खोजने का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि आबंटित 82 एकड़ भूमि में कई लोग मकान बना खेती कर रहे हैं जिन्हें डेढ़ वर्ष पूर्व में ही नोटिस जारी किया जा चुका है। अब उक्त आबंटित भूमि का सीमांकन कर बारिश बाद बेदखली कार्यवाही के बाद भूमि हस्तांतरण कर दिया जाएगा। भूमि सीमांकन के दौरान ग्रामीणों के विरोध की आशंका पर प्रशासन पहले से तैयारी कर मौके पर पहुंची थी इस दौरान विभिन्न थाना चौकियों और पुलिस लाइन से बड़ी तादात में फोर्स मौके पर बुलाई गई थी,इस दौरान बिना संघर्ष और विवाद के प्रशासन ने सीमांकन का कार्य पूरा किया है। इस दौरान एसडीएम सूरजपुर, तहसीलदार लटोरी, एसडीओपी अभिषेक पैकरा सहित विभिन्न थानों की पुलिस बड़ी संख्या में उपस्थित थी।